III. CORE COURSE [CCHIN203]: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100 Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।
(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र और हिंदी आलोचना

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - काव्य लक्षण, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु एवं शब्द शक्ति।

इकाई II - रस निष्पति, साधारणीकरण, रीति सिंद्धांत, अलंकार संप्रदाय, औचित्य संप्रदाय, वक्रोक्ति सिद्धांत एवं ध्वनि सिद्धांत।

इकाई III - अरस्तू – अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, लॉन्जाइनस– उदात्त सिद्धांत,
आई. ए. रिचर्ड्स की मान्यताएँ।
टी. एस इलयट की अवधरणाएँ।
क्रोचे का अभिव्यंजनावाद।

इकाई IV - अलंकार – अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, वक्रोक्ति, विभावना, विशेषोक्ति, तद्गुण, काव्यलिंग, अर्थांतरन्यास, दीपक, तुल्योगिता, परिसंख्या, मीलित, उन्मीलित, संकर, संसृष्टि, असंगति, व्याजोक्ति।
छंद – दोहा, चौपाई, सोरठा, हरिगीतिका, मालिनी, रोला, कुन्डिलियाँ, कवित, अनुष्टुप, भुजंगप्रयात, छप्पय, बरवै, द्रुतविलंबित, वंशस्थ, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित

इकाई V - आलोचना – परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ।

सैद्धांतिक(शास्त्रीय) आलोचना, स्वच्छन्दतावादी आलोचना, मनोविश्लेषणवादी आलोचना।

ऐतिहासिक आलोचना, तुलनात्मक आलोचना, मार्क्सवादी आलोचना।

नई समीक्षा, स्त्री–विमर्श, दलित–विमर्श, आदिवासी विमर्श।